

DPN 6426

Title : नवग्रह मन्त्र योगिनी मन्त्र NAVASRAHA MANTRA YOGINI MANTRA

Run. No. 7151

Cat. No. 217

Micro. No.

Subject English Hymn

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 20.5 X 8.3

Folios 2

Lines ( in a page ) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

x x

टिप्पणी : भुकी ग्रह आदित्य, सौर, मंगल, बुध  
 वृहस्पति, शुक्र, शनि, मीन, पिंडा,  
 आनी, अद्रिका, केतु, उक्का, सिद्धा,  
 मीन, चिकलाया मलाका जव ५७

Remark : Mantra  $\text{Kṣara}$  of various planets  
 $\text{Aditya}$ ,  $\text{Soma}$ ,  $\text{Mangala}$  etc.



२९७  
नवग्रह मन्त्र  
शुद्धि मन्त्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

5

0 cmts. 5 10 15 20



15  
आदित्य ॥ ॐ क्रां कीं क्रो स्वा ॥ शोम ॥ ॐ स्वां स्वीं स्त्रो स्वा  
॥ मंगल ॥ ॐ क्रां कीं क्रो स्वा ॥ हा ॥ बुध ॥ ॐ ब्रां व्रीं व्रो स्वा  
॥ वृहस्पति ॥ ॐ ब्रां व्रीं व्रो सः स्वाहा ॥ शुक्र ॥ ॐ द्रां  
दीं द्रो सः स्वाहा ॥ शनि ॥ ॐ ध्रां ध्रीं ध्रो सः स्वाहा ॥

5  
केममभद्रं देहि परम ॥ नाशाय रस्वाहा ॥ उल्का  
ॐ ममरोगं नाशाय रभं जयः स्वाहा ॥ सिद्धा ॥ ॐ द्रीं सि  
द्धिं मे सर्वमानसं साधय रनम स्वाहा ॥ शंकटा ॥ ॐ द्रीं  
शंकटे रोगमे परमं नाशाय रस्वाहा ॥ विकटा ॥ ॐ न  
मो भगवती विकटे वीरपालि के प्रसीद ह्यो ह्यो ॥ ॥



मंगला ॥ ॐ ह्रीं मंगले मंगलाय स्वाहा ॥ ॥ पिंगला ॥  
ॐ ह्रीं पिंगले वैरिमारिप्रसीद फट् ३ स्वाहा ॥ ध्वन्या ॥  
ॐ श्रीं ध्वनये ध्वन्ये स्वाहा ॥ भ्रामरि ॥ ॐ ह्रीं भ्रामरिज  
तां मे अधीश्वरी भ्रामरि ॥ भद्रिका ॥ ॐ ह्रीं भद्रि